

समझाना स.क्रि. (तद्.) 1. किसी बात या तथ्य के संबंध में अच्छी तरह जान कराना, बोध कराना 2. किसी बात या विचार को किसी के मस्तिष्क में तर्कयुक्त ढंग से स्थापित कराना 3. किसी कठिन विषय का उदाहरणद्वारा आसान तरीके से बोध कराना।

समझावा पुं. (तद्.) किसी बात को समझने का समझाने की क्रिया या भाव।

समझौता पुं. (तद्.) 1. संपत्ति आदि के विवाद के संबंध में दो या अधिक पक्षों के मध्य कोई सहमति से लिया गया निर्णय जिससे वे जीवन में निर्विरोध अग्रसर रहें 2. आपसी कोई करार या निश्चय।

समत पुं. (देश.) 1. संवत् जैसे विक्रम संवत् 2. समस्त 3. बुद्धि युक्त।

समतट पुं. (तत्.) 1. बंगाल के पूर्व में स्थित कोई प्राचीन देश 2. समुद्र के किनारे का क्षेत्र या प्रदेश।

समतत्त्व पुं. (तत्.) वेदांत दर्शन में वह तत्त्व जो अद्वैत और द्वैत तत्त्वों से परे और भिन्न होता है।

समतल वि. (तत्.) 1. जिसका तल बराबर या सम हो अर्थात् ऊबड़-खाबड़ न हो चौरस, हमवार/सतह का बराबर एक जैसा होना जैसे- समतल जमीन गणि. ऐसा तल जिसमें सरल रेखा खींचे जाने पर पूरी रेखा उसी तल में विद्यमान दिखाई दे।

समतल ज्यामिति स्त्री. (तत्.) गणि. ज्यामिति की एक शाखा जिसमें समतल आकृतियों के गुणों और संबंधों की प्रक्रिया का अध्ययन किया जात है।

समतलन पुं. (तत्.) 1. भूमि, फर्श अथवा किसी वस्तु की ऊँची-नीची तह को समतल करने की क्रिया या भाव 2. किसी के तुल्य ऊँचा या नीचा करना या निर्माण करना।

समता स्त्री. (तत्.) 1. तुल्यता, बराबरी 2. सादृश्य 3. निष्पक्षता 4. धैर्य।

समताप मंडल पुं. (तत्.) वह वायुमंडल जो पृथ्वी तल से लगभग 11 कि.मी. से 24 कि.मी. तक की ऊँचाई पर स्थित होता है तथा जिसमें तापमान सदा सम रहता है।

समताप रेखा स्त्री. (तत्.) पृथ्वी के मानचित्र में अंकित वह कल्पित रेखा जो एक समान तापमान वाले निर्दिष्ट बिंदुओं को मिलाती है।

समतापी भूतल रेखा स्त्री. (तत्.) भूवि. भूपृष्ठ भाग के नीचे स्थित वह एक काल्पनिक रेखा जो समान औसत तापमानीय बिंदुओं से होकर जाती है।

समतुल्य वि. (तत्.) 1. एक समान, एक जैसा, बराबर 2. समकक्ष पुं. (भाषा.) द्विभाषिक कोश में स्रोत भाषा के शब्द के लिए लक्ष्य भाषा में दिया गया समपर्याय शब्द।

समतोल वि. (तत्.) जो महत्व आदि की दृष्टि से समान हो, समतुल्य, बराबर।

समतोलन पुं. (तत्.) 1. महत्व आदि की दृष्टि से सबको समान रखना 2. तराजू के दोनों पलड़ों या दोनों पक्षों को समान रखना 3. ला.अर्थ किसी कार्य या बात की महत्ता को बुद्धि की तराजू पर ठीक तोल कर समझना 4. संतुलन बनाये रखने का भाव।

समत्थ पुं. (देश.) सम या समान होने की अवस्था या भाव समता।

समत्थ वि. (देश.) समर्थ, सामर्थ्य।

समत्रम पुं. (तत्.) आयु. हर, नागरमोथा तथा गुड़ इन तीनों के समान भागों का समूह या तीनों के समान भाग मिलाकर बनाया गया चूर्ण आदि।

समत्रिभुज पुं. (तत्.) वह त्रिभुज जिसकी तीनों भुजाएँ बराबर या समान हों।

समथल वि. (तद्.) समतल, भूमि।

समद पुं. (देश.) समुद्र।

समद वि. (तत्.) 1. मद युक्त, मतवाला 2. प्रसन्न।